रही है। इन रिएक्टरों की आपूर्ति अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण के दिशानिर्देशों के अनुरूप की जाएगी।

(ख) इस परियोजना की लागत के ब्यौरे के बारे में लगभग $2^1/_2$ वर्षों में विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के तैयार हो जाने के बाद पता चलेगा।

(ग) इन बिजलीघरों को चालू कर दिए जाने के बाद भारत की परमाणु विद्युत उत्पादन की स्थापित क्षमता में 2000 मेगावाट की वृद्धि हो जाएगी।

(घ) देश में परमाणु विद्युत संयंत्रों, उनकी अवस्थिति और क्षमता का ब्यौरा निम्नानुसार है:—

क्रमांक	परमाणु बिजलीघर और उनकी अवस्थिति	यूनिट संख्या	मौजूदा क्षमता मेगावाट
1.	महाराष्ट्र में तारापुर में अवस्थित	टीएपीएस—1	160
	तारापुर परमाणु बिजलीघर	टीएपीएस—2	160
2.	राजस्थान में रावतभाटा में अवस्थित	आरएपीएस—1	100
	राजस्थान परमाणु बिजलीघर	आरएपीएस—2	200
3.	तमिलनाडु में कलपाक्कम में अवस्थित	एमएपीएस—1	170
	मद्रास परमाणु बिजलीघर	एमएपीएस—2	170
4.	उत्तर प्रदेश में नरोरा में अवस्थित	एनएपीएस—1	220
	नरोरा परमाणु बिजलीघर	एनएपीएस—2	220
5.	गुजरात में ककरापार में अवस्थित	केएपीएस—1	220
	ककरापार परमाणु बिजलीघर	केएपीएस—2	220

इस समय निर्माणाधीन कर्नाटक में कैगा परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 1 और 2 तथा राजस्थान में राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट 3 और 4 की कुल क्षमता 880 मेगावाट है। इनके 1998-99 में चालू हो जाने की आशा है।

Exploration of Minerals in Vidarbha Region

4270. SHRI SATISH PRADHAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that preliminary explorations carried out in Vidarbha region of Maharashtra indicate availability of Uranium and other rare earth minerals;

(b) if so, the details of explorations carried out in Mahrashtra during the last three years;

(c) the details regarding the outcome thereof; and

(d) the details of further action-plan worked out to harness mineral resources in Maharashtra and the package of incentives provided therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (c) Preliminary surveys in the Vidarbha Region of Mahrashtra indicate favourable geological horizon particularly in Bhandara and Nagpur districts for rare earth, rare metal and uranium mineralisation. Although no economic concentration of uranium has been locate in this region, there were a few rare-metal and rare-earth mineral occurrences located at Pauninala and Salai area in Nagpur district. None of these occurrences, however, has been found to be economically viable.

(d) Since no economically viable concentration of uranium has been discovered, the question of working out a detailed action plan for exploitation thereof does not arise.

राज्यों में यूरेनियम भण्डार

4271. **श्री राधाकिशन मालवीय:**
श्री अजीत जोगी:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वैज्ञानिकों ने हाल ही में किन-किन राज्यों में यूरेनियम के भण्डारों का पता लगाया है;

(ख) यूरेनियम की खोज का कार्य किन-किन स्थानों पर शुरू हो गया है;

(ग) अब तक कुल कितना यूरेनियम की खोज के लिए और अधिक आधुनिक उपकरणों का उपयोग करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ एस० वेणुगोपालाचारी): (क) यूरेनियम भंडारों का पता लगाने के लिए देश भर में प्रारंभिक सर्वेक्षण किए गए हैं। जिन राज्यों में यूरेनियम भंडारों के होने के आशाजनक संकेत मिल हैं, वे हैं—मेघालय, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक।

(ख) बिहार के सिंहभूम जिले में जादूगोड़ा, भाटिन और नरवापहाड़ की खानों में यूरेनियम का खनन किया जा रहा है।

(ग) देश में उत्पादित यूरेनियम की मात्रा के बारे में जानकारी देना जनहित में नहीं है।

(घ) और (ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग में परमाणु खनिज प्रभाग (ए एम डी) यूरेनियम के अन्वेषण के लिए उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों को काम में लाकर सुदूर संवेदन, हवाई जहाज द्वारा लिए गए चित्रों के अध्ययन, वायुवाहित गामाकिरण और चम्बुकीय सर्वेक्षण आदि जैसी आधुनिक बहुआयामी तकनीकों को पहले से काम में ला रहा है। परमाणु खनिज प्रभाग की नवीं पंचवर्षीय योजना में कार्यकुशलता को बेहतर बनाने के लिए बेहतर उपस्करों जैसेकि वायु-वाहित चुम्बकीय आंकड़े इकट्ठा करने के लिए सीजियम वाष्प चुम्बकत्वमापी, भू-सर्वेक्षण के लिए क्षणिक वैद्युत चुम्बकत्वमापी, सार्वाधिक स्थिति-निर्धारण प्रणाली आदि, के जरिए आधुनिकीकरण की परिकल्पना की गई है।

नया परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम

4272. **श्री अजीत जोगी:**
श्री राधाकिशन मालवीय:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिए कोई नया परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम तैयार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस कार्यक्रम को कब तक कार्यान्वित किये जाने की संभावना है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) से (ग) परमाणु ऊर्जा आयोग ने हाल ही में परमाणु विद्युत कार्यक्रम की समीक्षा की है और IXवीं योजनावधि में, जिसमें रूसी परिसंघ की सहायता से कुडानकुलम (तमिलनाडु) में 1000 मेगावाट वाले हल्का पानी रिएक्टर के दो यूनिटों के अलावा तारापुर (महाराष्ट्र) में 500 मेगावाट के दो यूनिटों, कैगा (कर्नाटक) में 220 मेगावा के दो यूनिटों पर कार्य शुरू करने और इस योजना के अंत तक प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर पर काम शुरू करने की परिकल्पना की गई है, परमाणु विद्युत के विकास के लिए प्रस्तावों की सिफारिश की है।

Thorium in sands on the Kollam Coastal Belt

4273. DR. MOHAN BABU: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the sands on the Kollam Coastal belt have been found to contain thorium;

(b) whether scientific studies have established that the radiation levels from the Thorium are proving to be health hazards for the people of the area; and

(c) if so, the steps taken to protect the people from radiation hazards?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) Yes, Sir. Stretches of sands of the Kollam coastal belt have been found to contain low percentage of monazite which is the ore for thorium.

(b) Scientific studies carried out for over four decades have not established that low level radiations from the thorium bearing sand deposits pose any health hazard to the people of the area.

(c) There are no discernible health hazards to the people. However, continuous monitoring has been going on.